

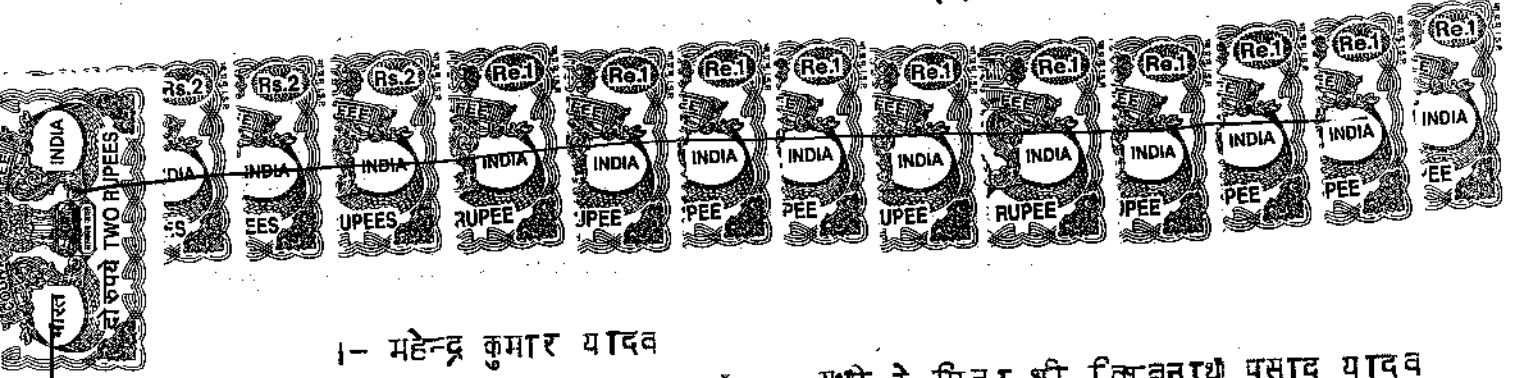


न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल ग्वालियर सफाई कोर्ट रीवा संभाग रीवा

म०प्र०,

R 5063 II/16

42



1- महेन्द्र कुमार यादव

2- सन्तोष कुमार यादव

3- राजेन्द्र प्रसाद यादव

सभी के पिता श्री क्विनाथ प्रसाद यादव
सभी निवासी झिरिया रीवा, सिविल लाइन
रीवा म०प्र०

रिवीजनकर्तागण,

बनाम

श्रीमती ज्योति यादव पत्नी स्व०श्री नरेन्द्र कुमार यादव उम्र 24 साल, पेशा-
घरू कार्य, निवासी झिरिया, रीवा घाना -सिविल लाइन रीवा जिलारीवा
म०प्र०,
गैररिवीजनकर्ता

रिवीजन अंतर्गत धारा 50 म०प्र० मूराटोसंहिता
1959ई.

रिवीजन आदेश विरुद्ध निर्णय न्यायालय अपर
आयुक्त महो० रीवा संभाग रीवा म०प्र०,
प्र०क्र०- 479/अपील /14-15

आदेश दिनंक 8-2-2016

मान्यवर,

रिवीजन कर्ता गण की ओर से रिवीजन के आधार निम्नलिखित हैं :-

1- यह कि रिवीजन कर्तागण ने माननीय अपर आयुक्त महोदय, रीवा संभाग
रीवा के आदेश दि०- 8-2-16 प्र०क्र०- 479 /अपील /14-15 के आदेश के
विरुद्ध निम्नआधारों पर माननीय न्यायालय में सद्भावना पूर्वक रिवीजन प्रस्तुत
कर रहे हैं :-

।यह कि श्लेष में प्रकरण इस प्रकार है :- कि न्यायालय तहसीलदार हुजूर
जिला रीवा म०प्र० के राजस्व प्र०क्र०- 382/अ /27 /11-12 में पारित आदेश

के. पी. श्रीवास्तव
आज दिनंक 11-2-16
किया गया।
रिवीजन कोर्ट रीवा


Handwritten signature and mark at the bottom left.

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 5062-II/2015

जिला रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभावकों आदि के हस्ताक्षर
24-5-2016	<p>आवेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया। प्रकरण में संलग्न अधिनस्थ न्यायालय के आदेश की सत्यापित प्रति का अवलोकन किया, जिससे स्पष्ट है कि अनावेदक ज्योति यादव वादग्रस्त भूमि में हितबद्ध पक्षकार होते हुये भी उसे पक्षकार नहीं बनाया है। तहसीलदार द्वारा हितबद्ध पक्षकारों को पक्षकार बनाये बिना नियमों के विपरीत बटवारा आदेश पारित किया। इसलिए अनुविभागीय अधिकारी ने तहसीलदार के आदेश को निरस्त किया। अनुविभागीय अधिकारी के आदेश को अपर आयुक्त द्वारा हस्तक्षेप योग्य न होने के कारण स्थिर रखा है। अपर आयुक्त के आदेश में किसी प्रकार की अवैधानिकता अथवा अनियमितता परिलक्षित प्रकट नहीं होती है। फलस्वरूप यह निगरानी प्रथमदृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है। पक्षकार सूचित हों। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p style="text-align: right;"> (के० सी० जैन) सदस्य</p>	